पंचदश बिहार विधान सभा

प्रथम सत्र

दैनिक विवरणिका

संख्या-3 वृहस्पतिवार, दिनांक- 02 दिसम्बर, 2010 ई० ।

अस्थायी अध्यक्ष श्री सदानन्द सिंह की अध्यक्षता में सभा की बैठक प्रारंभ हुई ।
समय : 11.00 बजे पूर्वा० से 11.40 बजे पूर्वा० तक ।

[1] **माननीय सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण / प्रतिज्ञान :-**

माननीय अस्थायी अध्यक्ष महोदय की अनुमति से शपथ / प्रतिज्ञान की कार्यवाही प्रारंभ हुई जिसमें कुल पाँच (5) माननीय सदस्यों ने बारी-बारी से शपथ ग्रहण या प्रतिज्ञान किया ।

[2] **अध्यक्ष का निर्वाचन :-**

अध्यक्ष के निर्वाचन के पूर्व अस्थायी अध्यक्ष महोदय की अनुमति से सभा सचिव ने महामहिम राज्यपाल से प्राप्त आदेश को निम्नप्रकार पढ़ा :-

बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 9 (1) के अनुसार, मैं देबानन्द कुँवर, बिहार का राज्यपाल, इसके द्वारा बिहार विधान सभा के अध्यक्ष के चुनाव के लिए दिनांक 02.12.2010 की तिथि निर्धारित करता हूँ ।

पटना ह०/- देबानन्द कुँवर

दिनांक 28.11.2010 राज्यपाल, बिहार ।

पुनः अस्थायी अध्यक्ष महोदय की अनुमति से सभा सचिव ने बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 9 एवं 56 जो क्रमशः अध्यक्ष के निर्वाचन एवं मत विभाजन से संबंधित है को पढ़कर सुनाया ।

तदुपरांत अस्थायी अध्यक्ष ने सदन को सूचित किया कि बिहार विधान सभा के अध्यक्ष पद के लिए अलग-अलग 6 (छः) प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं । सभी प्रस्ताव श्री उदय नारायण चौधरी, स०वि०स० के पक्ष में हैं । इन सभी प्रस्तावों में सर्वप्रथम प्राप्त प्रस्ताव को सदन में पेश करने हेतु श्री विजय कुमार चौधरी, स०वि०स० प्रस्तावक सदस्य को अनुमति दी । तत्पश्चात् श्री विजय कुमार चौधरी, स०वि०स० ने प्रस्ताव किया कि श्री उदय नारायण चौधरी, स०वि०स० विधान सभा के अध्यक्ष चुने जाय, जिसका अनुमोदन श्री नन्द किशोर यादव, स०वि०स० द्वारा किया गया । प्रस्ताव सर्वसम्मति से सदन द्वारा स्वीकृत हुआ तथा अस्थायी अध्यक्ष महोदय ने श्री उदय नारायण चौधरी, स०वि०स० के सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की ।

तदुपरांत अस्थायी अध्यक्ष महोदय की अनुमति से माननीय मुख्यमंत्री एवं श्री अब्दुलबारी सिद्दिकी, स०वि०स० ने ससम्मान श्री उदय नारायण चौधरी को अध्यक्ष के आसन तक ले गए एवं आसन पर बिठाया । आसन ग्रहण करने के पश्चात् माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा आभार व्यक्त किया गया ।

[3] **अध्यक्ष को बधाई** :-

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं निम्नांकित सभासदों ने अध्यक्ष को बधाई दी तथा उनके प्रति शुभकामना प्रकट की :-

(i) श्री सुशील कुमार मोदी, माननीय उप मुख्यमंत्री

(ii) श्री अब्दुलबारी सिद्दिकी

(iii) श्री सदानन्द सिंह

(iv) श्री जाकिर हुसैन खान

(v) श्री अवधेश कुमार राय

[4] **अध्यक्ष का सम्बोधन** :-

यथा संलग्न ।

तदुपरांत सभा की बैठक शुक्रवार दिनांक 3 दिसम्बर, 2010 के 11.00 बजे पूर्वा० तक के लिए स्थगित हुई ।

पटना
दिनांक-02.12.2010

सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा
सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना ।

माननीय सदस्यगण,

विशेषतौर से माननीय मुख्यमंत्रीजी, उप मुख्यमंत्रीजी और आप सभी माननीय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ । आप सबों ने इसी सदन में पिछले 14वीं बिहार विधान सभा में भी अध्यक्ष का दायित्व निर्वहन करने का अवसर दिया था । पुनः दूसरी बार भी 15वीं बिहार विधान सभा के अध्यक्ष का दायित्व सौंपकर आप लोगों ने जो विश्वास व्यक्त किया है उस विश्वास के सम्मान में मेरे पास कोई शब्द नहीं है । इस जिम्मेवारी का निर्वहन आपके विश्वास के अनुरूप करूँगा। मुझे विश्वास है कि कठिन से कठिन परिस्थितयों में भी आपका सहयोग प्राप्त होता रहेगा ।

चुंकि अध्यक्ष की कुर्सी की मांग होती है कि वे संविधान, परम्परा एवं कार्य संचालन नियमावली के माध्यम से लोकतांत्रिक संसदीय प्रणाली को मजबूत करे ।

इस प्रकार से जब मैं देखता हूँ कि संसदीय लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने के लिए हमारे मार्गदर्शन का काम संविधान, परम्परा एवं कार्य संचालन नियमावली ही है जिसके बाहर अध्यक्ष को नहीं जाना चाहिए ।

राज्य की नौ करोड़ जनता की आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में जो जन-प्रतिनिधि इस सदन में चुनकर आये हैं उनके माध्यम से संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने में सभी माननीय सदस्यों की भूमिका तो है ही लेकिन जो वरिष्ठ सदस्य हैं उनकी जिम्मेवारी आसन को मदद करने में बढ़ जाती है ।

संसदीय व्यवस्था में सदन राज्य की आत्मा है और सबसे बड़ी जनता के प्रतिनिधियों का मंच है । सदन की मर्यादा एवं गरीमा को बनाये रखना ही हम सबों का कर्त्तव्य होगा जो लोकतांत्रिक संसदीय व्यवस्था को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा ।

राज्य के समक्ष अनेकों चुनौतियाँ हैं जिसे हम सभी को मिलकर सामना करना है इसलिए सदन की जिम्मेवारी और बढ़ जाती है । आप सभी ने हमारे सम्मान में जो भाव व्यक्त किये हैं वह भी हमारे लिए भविष्य में मार्गदर्शन का काम करता रहेगा ।

अंत में माननीय मुख्यमंत्रीजी, उप मुख्यमंत्रीजी सभी दलीय नेताओं एवं माननीय सदस्यों के प्रति अति विनम्र भाव से आभार व्यक्त करता हूँ । आशा और विश्वास के साथ संसदीय लोकतंत्र की परम्परा को मजबूत करने में पुनः 15वीं बिहार विधान सभा में आप सभी का सक्रीय एवं सार्थक सहयोग प्राप्त होता रहेगा । धन्यवाद ।